कैरमबोला/कामरख

संक्षिप्त परिचय

कैरमबोला दक्षिण पूर्व एशियाई मूल की एक फलीय प्रजाति है जिसे विश्व के अनेक उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्रों में उगाया जाता है। आमतौर पर इसे *कामरख* या स्टार फल कहा जाता है। यह पांच कोने वाला एक आकर्षक फल है जो ऑक्सीकरणरोधी तत्वों, पोटेशियम व विटामिन सी के लिए महत्वपूर्ण है। इस फल में शर्करा व सोडियम की मात्रा कम होती है अत: यह उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह आदि के रोगियों के लिए एक स्वस्थ विकल्प हो सकता है, तथापि किडनी सम्बन्धी विकार/समस्याओं के रोगियों को इसके सेवन से बचना चाहिए क्योंकि इससे समस्याओं में जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। इन्हें विभिन्न व्यंजनों में उपयोग के अलावा मूल्यवर्धित उत्पादों, जैसे जूस, अचार आदि में भी प्रसंस्कृत किया जाता है। कैरमबोला एक विशेष फल है जो द्वीपीय परिस्थितियों में पूरे वर्ष फूल व फल देता है। यह अधिक धूप के साथ-साथ आंशिक छाया को भी सहन कर सकता है, अत: इसे एकल या नारियल के बागानो में अंतर्फसल के रूप में उगाया जा सकता है। घर के पिछवाड़े में इसके कुछ पौधों को उगाकर एक परिवार की आवश्यकता पूरी की जा सकती है।

स्थान का चुनाव

यह प्रजाति खुली धूप अथवा आंशिक छाया वाले क्षेत्रों में अच्छी तरह उग सकती है। अच्छी जलनिकासी वाली मृदाएं पौधों के स्थापित होने में सहायक होती हैं।

प्रवर्धन, नक्शा एवं रोपण

कामरख का प्रवर्धन बीज एवं कायिक प्रवर्धन विधियों जैसे कलम, गूटी तकनीक एवं मुकुलन द्वारा किया जा सकता है। एक वर्ष आयु के कलमी पौधों को खेत में रोपण के लिए उपयोग किया जाता है। रोपण के लिए 1 घन फीट माप के गड्ढ़े तैयार किए जाते हैं और इन्हे 15-20 कि.ग्रा.सड़े गोबर की खाद एवं मिट्टी से भरा जाता है। पौधों को रोपण के तुरंत बाद जल दिया जाता है क्योंकि यह पौधों को अच्छी तरह स्थापित होने में मदद करता है। बीच के स्थानों में खरपतवार नियंत्रक पॉलिथीन (वीडमैट) बिछाने से भूमि में नमी सरंक्षित होने के साथ-साथ मजदूरों की आवश्यकता में भी कटौती होती है।

पोषण प्रबन्धन, सिंचाई और अंतःसस्य क्रियाएं

चूँकि फसल में बहुमौसमी पुष्प देखे जाते हैं, पोषक तत्वों को किस्तों में देना लाभदायक होता है। जैविक खादों जैसे गोबर की खाद, केंचुए की खाद, नीम की खली आदि का उपयोग किया जाना चाहिए। एक वयस्क बड़े पेड़ को लगभग 15-20 कि.ग्रा. गोबर की खाद प्रति वर्ष दी जा सकती है। यह फसल नमी की कमी के प्रति संवेदनशील है, अत: पौधों की उचित वृद्धि के लिए विशेषत: विकास पौधे की प्रारंभिक विकास अवस्था में एवं सूखे के दौरान सिंचाई की आवश्यकता होती है। कैरमबोला की लटकती हुई शाखाओं पर फल लगते हैं जिससे तेज हवाओं के कारण इन्हें क्षति पहुँच सकती है| अत: प्रारम्भ के 2–3 वर्षों के दौरान कमजोर शाखाओं को हटा दिया जाना चाहिए ताकि पौधों का मजबूत ढांचा बन सके। मजबूत दुशाखी कोण वाली चार से पाँच शाखाओं को विकसित होने देना चाहिए। बाद के वर्षों में, शाखाओं की छंटाई एवं मुख्य शाखाओं की कटाई पेड़ की उचित बनावट बनाए रखने के लिए आवश्यक होती है।

कटाई व उपज

कलम और मुकुलन वाले पौधे रोपाई के 2-3 वर्ष में फल धारण करने लगते हैं। एक वर्ष में तीन फसलें प्राप्त हो सकती हैं और उत्पाद लम्बे समय तक बाजार में उपलब्ध रह सकते हैं। फलों की आकर्षक आकृति पर्यटक स्थलों में बेचने के लिए उन्हें उपयुक्त बनाती है।

***Prepared by:* Pooja Bohra, Ajit Arun Waman and B. A. Jerard, Division of Horticulture and Forestry, ICAR-Central Island Agricultural Research Institute, Port Blair- 744105.**